

किं ते मुखं शुष्यति दीनवर्णम् MBh. 3, 15677. R. GORR. 2, 36, 10. 5, 33, 40. क्षीयते घातवः सर्वे ततः शुष्यति मानवः Suçr. 2, 445, 18. MBh. 2, 1685. पुत्रशोकेन शुष्यती Hārīv. 4396. नुधा Spr. (II) 437. 4460. Mārk. P. 61, 73. Rāga-Tar. 2, 84. इन्द्रमिन्द्रमणिः किं च शुष्यत्तमनुशुष्यति Spr. (II) 1276. सह वृत्तेण — सो ऽप्यशुष्यत MBh. 13, 270. कृष्णमृगान् — शुष्यमाणान् R. 2, 96, 34 (105, 33 GORR.). 3, 61, 48. — Vgl. ऊर्ध्वशोषम्.

— caus. शोषयति 1) austrocknen (trans.), ausdörren: स्त्रीकानम् AV. 3, 25, 3. हृदयम् 6, 139, 1. गोमयम् Kauç. 19. समुद्रान् Çat. Br. 9, 3, 2, 12 (med.). MBh. 3, 189. Hārīv. 9731. R. GORR. 2, 121, 7. 3, 62, 12. 5, 26, 37. Rāga-Tar. 4, 599. Pañkāt. 78, 19. Vop. 23, 23. शोषितसरसि निदधे Spr. (II) 2721. MBh. 3, 12140. उर्वी विवस्वान् Suçr. 1, 19, 17. Spr. (II) 4337. व्रीहीनातपः P. 1, 3, 88. Schol. Vop. 22, 2 (med.). Varāh. Brh. S. 55, 23. 76, 7 (शुशोषित). आर्द्रालक्तकं चरणम् Mālav. 48. देहम्, शरीरम्, कलेवरम्, गात्राणि, आत्मानम् M. 6, 24. MBh. 1, 603. 13, 7176. 14, 2376 (med.). Spr. (II) 3699. Bhāg. 2, 23. R. 1, 64, 19. मुनयः — नानार्थमेण शोषिताः Hārīv. 12198. Rāga-Tar. 6, 145. — 2) so v. a. hart zusetzen, zu Grunde richten, vernichten: पाण्डवान्वक्तृशोषयत् (परिशोचयन् ed. Bomb.) MBh. 6, 1902. 7, 2000. गृहे यत्ताशु शोषय Mārk. P. 50, 85. मनसि ज्ञातयम् Glt. 12, 5.

— अनु 1) allmählich eintrocknen, — verdorren, — versiegen, — hinschwinden: अनुशुष्यात्ततो क्षियते Çat. Br. 14, 4, 2, 32. अरण्ये द्वादशरात्रमनुशुष्येत् sich eintrocknen lassen so v. a. sich kasteien Kauç. 126. 41. इन्द्रियाणि Bhāg. P. 10, 10, 16. नद्यः, देहद्विषासपदः 20, 10. — 2) nach einem Andern (acc.) hinschwinden: इन्द्रमिन्द्रमणिः किं च शुष्यत्तमनुशुष्यति Spr. (II) 1276.

— अव trocken werden: यस्य वै ज्ञातमात्रस्य हृदयं चावशुष्यति (st. dessen हृत्पादमवशुष्यते Mārk. P. 43, 13) Vāju-P. in Verz. d. Oxf. H. 51, 6, 5. — caus. v. l. zu उप Ἀpast. 2, 10, 16.

— उद् eintrocknen: आपः Khand. Up. 4, 3, 2. — caus. austrocknen (trans.), ausdörren: समुद्रम् MBh. 7, 1417. तरुगहनम् Spr. (II) 2009. (शोकः) उच्छोषयति वि प्राणान्वारिस्तोकमिवातपः R. 2, 64, 65. शरीरम् MBh. 5, 7478. — Vgl. उच्छोषण fg.

— समुद् eintrocknen: समुच्छोदयति सागरः Bhāṭṭ. 16, 17.

— उप dass. TS. 3, 1, 20, 3. Suçr. 1, 97, 19. Kāraka 2, 6. — caus. eintrocknen (trans.), ausdörren Suçr. 1, 263, 8. उपशोषिता रसधातुः 53, 4, 5. सूर्यप्रतापोपशोषितदेह 20, 17. लोकमादित्यैरुपशोषितम् MBh. 3, 12874. तपसा शरीरम् 1, 4624. 12, 248. Hārīv. 1238. Kathās. 40, 102. नियमैः Ἀpast. 2, 10, 16. — Vgl. उपशोषण.

— परि eintrocknen, verdorren, zusammenschrumpfen: मकारुदः Bhāṭṭ. 10, 41. समूल वा एष परिशुष्यति यो ऽमृतमभिवदति प्राचनोप. 6, 1. यदेवं परिशुष्यसि MBh. 5, 6046. (मुखम्) पर्यशुष्यत बाष्पेण जलोद्धृतमिवाम्बुजम् R. 2, 30, 25. Bhāg. 1, 29. मुखेन परिशुष्यता R. 2, 18, 1. 36, 11. 58, 32. 104, 8. 3, 7, 25. 64, 17. 67, 2. 70, 3. 4, 29, 7. 7, 46, 1. Bhāg. P. 4, 8, 64. परिशुष्यत्स्खलद्वाक्य Jāg. 2, 14. परिशुष्यमाणाहृदयवदन Bhāg. P. 5, 26, 36. ऊर्ध्वशोषं परिशुष्यमाणाः (v. l. परिशोष्यमाणाः) Bhāṭṭ. 11, 40. Vgl. परिशोष. — caus. trocken machen, aufrocknen, ausdörren: वारि परिशोष्यते Kām. Nitis. 11, 49. स्नेषणाम् Kāraka 3, 1, 2, 6. वक्त्रम् Suçr. 1, 155, 7. स्वदेहम् Spr. (II) 4320. Pañkāt. 182, 11. Pañkār. 3, 8, 13. परिशोषितडुष्टपूतनाप्राण

Verz. d. Oxf. H. 68, 6, 32. Vgl. परिशोषण fg.

— प्र versiegen: मत्तमातङ्गप्रशुष्यदानशीकर Kām. Nitis. 16, 28. — Vgl. प्रशोष fg.

— प्रति vertrocknen: प्रति शुष्यतु यशो अस्य RV. 7, 104, 11.

— वि eintrocknen, vertrocknen, hinschwinden: धर्षणाः, मांसयोनयः MBh. 5, 2131. विशुष्यतालु Bhāg. P. 1, 18, 27. हृदयेन विशुष्यता R. 7, 46, 19. विशुष्यतो भूपतेः Rāga-Tar. 2, 74. मुखं चैव व्यशुष्यत R. 3, 29, 15. विशुष्यमाणशरीरं Suçr. 1, 124, 13. °हृदय 14. Vgl. विशोष. — caus. trocken machen, ausdörren: पयः MBh. 1, 1336. 3, 10767. मर्हार्णवम् 8, 656. Hārīv. 3839. विशोषिता भानुमता मयूखिर्नन्दाकिनीपुष्करबीजमालाम् Kumāras. 3, 65. Suçr. 2, 356, 2. Vgl. विशोषण fg.

— सम् trocken werden, eintrocknen: धारास्तेजसा ज्ञातवेदसः । ख एव समशुष्यत MBh. 1, 8230. Vgl. संशोष. — caus. trocken machen, ausdörren MBh. 12, 11057. Hārīv. 11330. 11347 (संशोषयिता). R. GORR. 2, 68, 1. Ragh. 6, 36. Kathās. 60, 195. Vgl. संशोषण.

2. शुष् (= 1. शुष्) adj. eintrocknend, verdorrend: फलपाक° P. 4, 3, 166. Vārt. 1. mit caus. Bed. in पर्ण°.

3. शुष् (Nebenform von अस्), शुषति zischen, pfeifen (vonder Schlange): शुषत् वि वृश्चद्वैत्रेण वृत्रम् RV. 1, 61, 10.

— आ 1) partic. praes. med. pfeifend, gellend: यवैव जर्तिता त् इयर्ति वाचं बृहद्वाशुषाणाः RV. 5, 36, 4. — 2) adspirare, sich zu nähern suchen, erstreben, zu vollbringen suchen: (इन्द्रम्) आ शुषे (= अश्ववे Sā.) राधसे महे RV. 8, 82, 16. partic. praes. med.: अश्याम तत्सात्तमाशुषाणाः 2, 19, 7. एता अश्रुशुषाणासं इष्टीर्युवाः सचाम्यश्याम वाज्ञान् 7, 93, 8. 1, 147, 1. कृतम् 4, 1, 13. 2, 14, 16. आशुषाणासो मित्रो अर्षीसता 24, 4. Die Comm. leiten die Form von अष् ab, auch Padap. schreibt ohne Trennung. Dass jenes unmöglich ist, zeigen Stellen wie 2, 19, 7. 7, 93, 8.

शुषे m. कविः शुषस्य मातरा रिक्वाणे AV. 5, 1, 4. vermutlich verdorbener Text. Nach Aśvājñāla im ÇKDr. = शोषण und गर्तः; vgl. शुषि.

शुषि f. 1) = शोष H. an. 2, 573. Med. sh. 28. — 2) Höhle, Grube AK. 1, 2, 4, 2. H. 1363. H. an. Med.; vgl. सुषिर. — Vgl. केलि°.

शुषिलं (von 1. शुष्) m. Wind Uśéval. zu Uñādis. 1, 57. Was bedeutet aber शुषिलयुगलवर्णा (मनु) Pañkār. 3, 10, 11?

शुष्क (von 1. शुष्) und in der klass. Sprache शुष्क Uñādis. 3, 41. 1) adj. (als partic. angesehen; f. आ) P. 8, 2, 51. Vop. 26, 99. a) ausge-trocknet, trocken, dürr RV. 1, 68, 3. आर्द्रादा शुष्कं मधुमदुदोद्विष्य 2, 13, 6. अतस 4, 4, 4. वन 6, 18, 10. दति 7, 103, 2. 10, 92, 1. AV. 19, 49, 10. Çat. Br. 1, 3, 2, 4. 6, 23, 41. सिकताः 7, 3, 4, 37. स्थाणु 9, 5, 2, 13. Khand. Up. 5, 2, 3. Ἀçv. Gṛh. 2, 8, 5. — नदी MBh. 1, 2839. Spr. (II) 5085. Pañkāt. 51, 5. °तोयेव निम्नगा MBh. 7, 27. 3, 2668. R. 5, 21, 15. Baum, Stamm, Holz, Pflanze, Frucht, Blatt Kaush. Up. 2, 14. R. 2, 47, 8. 55, 14. 69, 12. R. 1, 25. Spr. 3006. fgg. (II) 3849. 4374. Suçr. 1, 29, 6. 218, 5. 6. 219, 5. 6. 2, 325, 19. Varāh. Brh. S. 46, 28. 51, 3. 59, 3. 79, 3. °विरोक्षा 46, 88. निप्तः संसारवातेन चेष्टते शुष्कपर्णवत् Asuṭāy. 18, 21. Bhāg. P. 3, 17, 7. 4, 23, 5. 5, 8, 30. AK. 2, 4, 4, 15. Halā. 1, 151. 2, 34. ऊर्ध्व° Baum MBh. 4, 813. Varāh. Brh. S. 43, 13. 85, 2. गोमय AK. 2, 9, 51. Trik. 2, 9, 21. Hār. 170. अन्न MBh. 11, 166. Varāh. Brh. S. 89, 1. मांस AK. 2, 6, 2, 14. M. 11, 155. R. 2, 84, 17. Suçr. 1, 207, 10. 13. Spr.